Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 May 2024

Dainik Jagran Page - 04

गोरखपुर विश्वविद्यालय अपलोड करेगा शिक्षकों की प्रोफाइल, कुशल शोध निर्देशक चुन सकेंगे शोधार्थी

शोधार्थियों को अपना शोध निर्देशक खुद चुनने का मिलेगा मौका

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पीएचडी में प्रवेश को लेकर बड़ा बदलाव करने जा रहा है। शोधार्थियों को अपना शोध निर्देशक चुनने का अवसर देने जा रहा। इसके लिये पोर्टल पर विश्वविद्यालय को शोध शोध सुपरवाइजर की सूचना अपलोड करनी होगी। विश्वविद्यालय के जन संपर्क अध्यक्ष के जरिये विश्वविद्यालय प्रशासन ने शोधार्थियों को अपना शोध-टॉपिक चुनने के लिए विकल्प का अधिक कर दिया है।

डी-पीएचडी सीटों से पहले ही उस हो जाएंगे शोध निर्देशक

विश्वविद्यालय की अकादमी परिषद ने पुराने प्रावधान में संशोधन कर प्रवेश की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए यह निर्णय लिया है। पीएचडी सीट पूरी करने के बाद ही होता था। कानपुर विश्वविद्यालय ने पीएचडी में प्रवेश के समय ही शोध-निर्देशक का आवंटन करने का फैसला लिया है। इसके बाद विश्वविद्यालय ने पीएचडी सीटों पूरा करने के बाद ही आवेदन मांगे हैं। इसके लिये विश्वविद्यालय ने 15 मई तक का समय तय किया है।

डी-पीएचडी में अब मिलेंगे 12 डेडिट सीटें

गोरखपुर विश्वविद्यालय में डी-पीएचडी सीटों अब 21 डेडिट का होंगे। इससे शोधार्थियों एक ही सीट को दो साल का और शोध की पूरा करने में आसानी होगी। इससे पहले डी-पीएचडी सीटों की डेडिट घटाकर 12 कर दी है। इससे शोधार्थी होंगे पर नवंबर डेडिट का लाभ होगा।

विश्वविद्यालय के जन संपर्क अध्यक्ष प्रो. डा. पुनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा, जब शोधार्थी अपने शोध निर्देशक चुनने के बाद ही पीएचडी सीट पूरी करने में आगे बढ़ेंगे। शोधार्थी चुनने के बाद ही शोध की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकेंगे। शोधार्थी चुन सके शोध पर ज्यादा फोकस कर सके, इसके लिए डी-पीएचडी सीटों की डेडिट सीटों कम कर दी गई है। - डॉ. पुनम टंडन, कुलसचिव, दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रो. अजय शुक्ल को मिला नेपाल का सार्क प्राइड अवार्ड

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल को नेपाल के लुंबिनी में सार्क प्राइड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें विभागाध्यक्ष के रूप में नवाचार करने पर्यिया कुछ आठ वर्षों में विभाग को नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए दिया गया है। इस सम्मान के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधर्ण लाल बजाज और प्रो. पुनम टंडन समेत डीडीयू के शिक्षकों और कर्मचारियों ने बधाई दी है।(विवरिए)

Amar Ujala Page - 05, 07

पोर्टल पर सभी गाइड की प्रोफाइल को अपलोड करेगा विश्वविद्यालय

डीडीयू : गाइड का चयन खुद कर सकेंगे शोधार्थी

संवाद न्यूज रूमगोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अब शोधार्थी खुद अपना गाइड चुन सकेंगे। गाइड के चयन से पहले विश्वविद्यालय उनकी समझने का मौका देगा।

मार्गदर्शन करने का मौका मिलेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने नए शोध अध्यादेश में इस व्यवस्था को लागू किया है। 2023-24 में शिक्षा सत्र से नियमित विभागों में पीएचडी में प्रवेश के समय ही शोध गाइड चयन करने की प्रक्रिया शुरू होगी। शोधार्थी गाइड को शोध पर नवाचार करने के लिए प्रेरित करेंगे। शोधार्थी गाइड को शोध पर नवाचार करने के लिए प्रेरित करेंगे।

17 अक्टूबर की डी पीएचडी

विश्वविद्यालय में पहले डी-पीएचडी सीटों अब 21 डेडिट का होंगे। इससे शोधार्थी को एक ही सीट को दो साल का और शोध करने का मौका मिलेगा। नए शोधार्थियों को 17 अक्टूबर को प्रवेश दिया जाएगा।

गाइड को चुनने के बाद शोधार्थी को विषयों के हटेरोजर होने और उनके कार्य में जाने का मौका मिलेगा। रेट में मेरिट के आधार पर शिक्षकों की उपलब्धता को देखते हुए शोध निर्देशक आवंटित किए जाएंगे।

डीडीयू में इस बार कोर्स वर्क पूरा होने से पहले ही शोध निर्देशक आवंटित करने की तैयारी है। अब तक कोर्स वर्क पूरा होने पर गाइड आवंटित किया जाता था। डी पीएचडी कोर्स वर्क करीब छह महीने का होता है। पहले ही गाइड आवंटित हो जाने से शोधार्थी कोर्स वर्क की तैयारी के साथ शोध कार्यों को भी गति दे सकेंगे। इससे पीएचडी पूरा करने में कम से कम छह महीने कम का समय बच जाएगा।

डीडीयू में सत्र 2023-24 की 'रेट' के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अगले दो-तीन दिनों में शुरू होने वाली है। इस बार शोध अध्यादेश में व्यापक बदलाव के बाद 'रेट' ही पहला चरण है। यूजीसी के नए नियम निर्देशों को देखते हुए सत्र 2024-25 की सीमा पचास परीक्षा के लिए डीडीयू फिर से नया अध्यादेश ले आएगा। उसमें भी कई बदलाव किए जाएंगे।

डीडीयू और कॉलेजों में करीब एक समान सीटें : कालेजों के चुनौ के शिक्षकों को भी गाइड बनाए जाने, पुनर्विवादित के सांचिए शिक्षकों को भी गाइड बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। इससे कालेजों के शिक्षकों की संख्या भी बढ़ेगी। इस बजाय में इस बार रेट के जरिए करीब एक समान सीटें पीएचडी की होंगी।

अब मिले 12 डेडिट की डी पीएचडी : डी पीएचडी कोर्स वर्क अब तक 21 डेडिट का होता था। इसमें शोधार्थियों पर बेवजह ज्यादा बोझ पड़ेगा। अब नई सारी डेडिट घटाकर 12 कर दिया गया है।

Hindustan Page 02 , 05

पीएचडी में बड़ा बदलाव, पोर्टल पर अपने सभी गाइड का प्रोफाइल अपलोड करेगा गोरखपुर विश्वविद्यालय

शोधार्थी अब खुद चुन सकेंगे अपना गाइड

डीडीयू

- कोर्स वर्क से पूरा होने पहले ही अलॉट होंगे गाइड, बचेंगे छह महीने
- गाइड चुनने से पहले अपनी रिसर्चबाइज जानने का भी मिलेगा मौका

गाइड का दिन से ही पीएचडी उपाधि

विस्तार की दौड़ी का खामियाजा अब तक छात्रों को भुगतना पड़ता था। गाइड होने के दो साल के अंदर हर हाल में पीएचडी रिसर्च जमा होना। गाइड के दिन से ही पीएचडी की उपाधि मानी जाएगी।

शोधार्थी खुद अपना गाइड चुन सकेंगे - प्रो. पुनम टंडन, कुलसचिव, डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। पीएचडी में प्रवेश लेने वाले हर विद्यार्थी की इच्छा होती है कि उन्हें अपना गाइड चुनने का अवसर मिले। गाइड चुनने से पहले गाइड को जानने-समझने का मौका मिले। विद्यार्थियों की यह हसरत दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पूरा करने जा रहा है। डीडीयू प्रशासन ने शोध अध्यादेश लागू होने के बाद शोधार्थियों को विषयवार विशेषज्ञों से हटेरोजर होने और उनके कार्य में जानने का मौका मिलेगा। रेट में मेरिट के आधार पर शिक्षकों की उपलब्धता को देखते हुए शोध निर्देशक आवंटित किए जाएंगे।

डीडीयू में इस बार कोर्स वर्क पूरा होने से पहले ही शोध निर्देशक आवंटित करने की तैयारी है। अब तक कोर्स वर्क पूरा होने पर गाइड आवंटित किया जाता था। डी पीएचडी कोर्स वर्क करीब छह महीने का होता है। पहले ही गाइड आवंटित हो जाने से शोधार्थी कोर्स वर्क की तैयारी के साथ शोध कार्यों को भी गति दे सकेंगे। इससे पीएचडी पूरा करने में कम से कम छह महीने कम का समय बच जाएगा।

डीडीयू में सत्र 2023-24 की 'रेट' के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अगले दो-तीन दिनों में शुरू होने वाली है। इस बार शोध अध्यादेश में व्यापक बदलाव के बाद 'रेट' ही पहला चरण है। यूजीसी के नए नियम निर्देशों को देखते हुए सत्र 2024-25 की सीमा पचास परीक्षा के लिए डीडीयू फिर से नया अध्यादेश ले आएगा। उसमें भी कई बदलाव किए जाएंगे।

डीडीयू और कॉलेजों में करीब एक समान सीटें : कालेजों के चुनौ के शिक्षकों को भी गाइड बनाए जाने, पुनर्विवादित के सांचिए शिक्षकों को भी गाइड बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। इससे कालेजों के शिक्षकों की संख्या भी बढ़ेगी। इस बजाय में इस बार रेट के जरिए करीब एक समान सीटें पीएचडी की होंगी।

अब मिले 12 डेडिट की डी पीएचडी : डी पीएचडी कोर्स वर्क अब तक 21 डेडिट का होता था। इसमें शोधार्थियों पर बेवजह ज्यादा बोझ पड़ेगा। अब नई सारी डेडिट घटाकर 12 कर दिया गया है।

Amar Ujala Select Page - 04

सार्क प्राइड अवॉर्ड से प्रो. अजय सम्मानित

डीडीयू के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल को नेपाल के लुम्बिनी में सार्क प्राइड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल को नेपाल के लुम्बिनी में सार्क प्राइड अवार्ड से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें अध्यक्ष के रूप में नवाचार करने, शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए धराधाम इंटरनेशनल एवं एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सार्क देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुधर्ण लाल बज्राचार्य एवं लुम्बिनी के मेयर के द्वारा प्रदान किया गया। उनके इस एक उत्तम उदाहरण हैं। प्रोफेसर शर्मा ने एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें आधे से अधिक उनके उपन्यास हैं। उन्हें उनके लेखन के लिए कई पुरस्कार मिले हैं।

Inext Page - 01, 02

शोधार्थियों को अपना शोध निर्देशक खुद चुनने का मिलेगा मौका

प्रो. अजय शुक्ल को मिला नेपाल का सार्क प्राइड अवॉर्ड

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (6 May): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो.अजय शुक्ल को नेपाल के लुम्बिनी में सार्क प्राइड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें विभागाध्यक्ष के रूप में नवाचार करने पर्यिया कुछ आठ वर्षों में विभाग को और से दिया गया. सार्क देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधर्ण लाल बज्राचार्य एवं लुम्बिनी के मेयर ने उन्हें सम्मान पत्र प्रदान किया. प्रो.अजय शुक्ल के सम्मानित होने पर कालांतरि प्रो. पुनम टंडन समेत डीडीयू के शिक्षकों और कर्मचारियों ने बधाई दी है.

Gorakhpur Super Fast Times

अंग्रेजी विभाग में मीट द आथर कार्यक्रम आज

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर का अंग्रेजी विभाग आज "मीट द आथर" कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में अंग्रेजी भाषा के प्रसिद्ध कवि और उपन्यासकार प्रोफेसर विकास शर्मा अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पुनम टंडन करेंगी। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ल ने बताया कि भारतीय अंग्रेजी साहित्य में रचनात्मकता की अपार संभावनाएं हैं और प्रोफेसर विकास शर्मा इसके एक उत्तम उदाहरण हैं। प्रोफेसर शर्मा की एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें आधे से अधिक उनके उपन्यास हैं। उन्हें उनके लेखन के लिए कई पुरस्कार मिले हैं।

Rashtra Ki Parampara

मीट द आथरः डीडीयू में आज मिलिए प्रो. विकास शर्मा

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का अंग्रेजी विभाग सोमवार को मीट द आथर कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में अंग्रेजी भाषा के प्रसिद्ध कवि और उपन्यासकार प्रोफेसर विकास शर्मा अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पुनम टंडन करेंगी। उक्त जानकारी देते हुए अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ल ने बताया कि भारतीय अंग्रेजी साहित्य में रचनात्मकता की अपार संभावनाएं हैं और प्रोफेसर विकास शर्मा इसके एक उत्तम उदाहरण हैं। प्रोफेसर शर्मा की एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें आधे से अधिक उनके उपन्यास हैं। उन्हें उनके लेखन के लिए कई पुरस्कार भी प्रदान किए जा चुके हैं। प्रो. शुक्ल ने बताया कि कुलपति की रचनात्मक सोच एवं प्रेरणा से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें हैं। यह कार्यक्रम सोमवार को पूर्वाह्न 11:00 से बजे अंग्रेजी विभाग मेंआयोजित किया जा रहा है। जिसमें शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रोफेसर शर्मा के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। जिससे उन्हें साहित्यिक दृष्टिकोण से काफी लाभ होगा। उनके अनुभवों को साझा करना छात्रों के लिए प्रेरणादायक होगा। उल्लेखनीय है कि प्रो. विकास शर्मा के उपन्यास विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंग्रेजी विषय के पाठ्यक्रम में पढ़ाये भी जाते हैं और इनकी रचनाओं पर इस समय शोध कार्य भी किया जा रहा है।

प्रो. अजय शुक्ल नेपाल में सार्क प्राइड अवार्ड से विभूषित

प्रो.अजय शुक्ल को नेपाल में मिला सार्क प्राइड अवार्ड

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष को नेपाल के लुम्बिनी में सार्क प्राइड अवार्ड से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें अध्यक्ष के रूप में नवाचार करने,शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए धराधाम इंटरनेशनल एवं एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सार्क देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नेपाल के लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुधर्ण लाल बज्राचार्य एवं लुम्बिनी के मेयर के द्वारा प्रदान किया गया। उनके इस सम्मान के लिए कुलपति प्रोफेसर पुनम टंडन सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बधाई दी है। प्रो०शुक्ल हमेशा से ही अपनी रचनात्मक एवं कुशल कार्यशैली की वजह से जाने जाते हैं।प्रो०शुक्ल अपने अध्यापन में नये-नये प्रयोग से विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हैं। उनके यूट्यूब चैनल के वीडियो विद्यार्थियों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुए हैं। उन्होंने बीस से अधिक विद्यार्थियों के शोध कार्य का निर्देशन किया है। प्रो०शुक्ल ने पाँच पुस्तकों के अतिरिक्त तीन दर्जन से भी अधिक शोध पत्र एवं शुक्ल चैप्टर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किए हैं।